विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ,लक्खीसराय

वर्ग- नवम

विषय -हिन्दी

// अध्ययन-सामग्री ॥

पुनरुक्ति अलंकार का साधारण सा अर्थ है जहां बार-बार शब्दों की आवृत्ति हो। इस लेख में आप पुनरुक्ति अलंकार की परिभाषा, पहचान और उदाहरण का विस्तृत रूप से अध्ययन करेंगे।

यह विद्यार्थियों के कठिनाई के स्तर को पहचान करते हुए लिखा गया है। इस लेख का अध्ययन विद्यालय , विश्वविद्यालय तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किया जा सकता है। विशेषकर छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए हमने विद्यालय स्तर से प्रतियोगी परीक्षा तक के सफर को आसान बनाने का प्रयत्न किया है।

पुनरुक्ति अलंकार की परिभाषा

परिभाषा : पुनरुक्ति दो शब्दों के योग से बना है पुन्न+उक्ति , अतः वह उक्ति जो बार-बार प्रकट हो। जिस वाक्य में शब्दों की पुनरावृति होती है वहां पुनरुक्ति अलंकार माना जाता है। जिस काव्य में क्रमशः शब्दों की आवृत्ति एक समान होती है , किंतु अर्थ की भिन्नता नहीं होती वहां पुनरुक्ति अलंकार माना जाता है।

(ध्यान दें यमक अलंकार में शब्दों के अर्थ भिन्न होते हैं , जबकि इस अलंकार के अंतर्गत अर्थ एक समान रहता है , केवल शब्दों की वृद्धि होती है)

जैसे –